अपठित काव्यांश

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

गाँव हो रहे शहर हमारे, बाकी सब कुछ अच्छा है
रिश्ते अब व्यापार हो रहे, बाकी सब कुछ अच्छा है।
उत्पादन में बढ़त हो रही, खेतों से खलिहानों तक
फिर भी भूखे बढ़ते जाते, बाकी सब कुछ अच्छा है।
चौड़ी सड़कें पक्की गलियाँ औ बिजली की जगमग में
दिल की दूरी बढ़ती जाती, बाकी सब कुछ अच्छा है।
चौपालों की मीठी बातें दूरदर्शनी संस्कृति में
तीज और त्योहार खो रहे, बाकी सब कुछ अच्छा है।
कोर्ट-कचहरी, आफिस, थाने, मोटर-गाड़ी, अफसर से
अमन चैन के दिवस हिराने, बाकी सब कुछ अच्छा है।
घर से आयी जब ये पाती कि यहाँ हालत बदल गई
दिल की धड़कन और बढ़ गई बाकी सब कुछ अच्छा है।

Question 1.
अब हमारे आपसी रिश्ते कैसे हो रहे हैं ? (सही उत्तर छाँटकर लिखिए)
(a) केवल परोपकार पर निर्भर हैं।
(b) मधुर हो रहे हैं।
(c) व्यापार की तरह केवल लाभ को महत्त्व दे रह हैं।
(d) बहुत आत्मीय हो रहे हैं।

▼ Answer

Answer: (c) व्यापार की तरह केवल लाभ को महत्त्व दे रहे हैं।

Question 2.
उत्पादन में बढ़त होने पर भी .... बढ़ रहे हैं। (सही कथन से वाक्य पूरा कीजिए।)
(a) विद्वान्
(b) भूखे लोग
(c) बीमार लोग
(d) सहायता करने वाले लोग

▼ Answer

Answer: (b) भूखे लोग।

Question 3.
चौड़ी सड़कें, पक्की गलियाँ और बिजली की जगमग होने पर भी क्या कमी आई है?
(a) दिल की दूरी बढ़ती जा रही है।
(b) सब एक दूसरे के निकट आ गए हैं।
(c) सब दयालु हो गए हैं।
(d) दिल में भी उजाला हो गया है।

▼ Answer

Answer: (a) दिल की दूरी बढ़ती जा रही है।

Question 4.
चौपालों की मीठी बातें और तीज-त्यौहार किस कारण से खो रहे हैं ?
(a) तिथि याद न होने के कारण
(b) दूरदर्शन की बनावटी संस्कृति के कारण
(c) व्यस्तता के कारण
(d) समय न होने के कारण

▼ Answer

Answer: (b) दूरदर्शन की बनावटी संस्कृति के कारण।

Question 5.
अमन चैन के दिवस कहाँ खो गए हैं ?
(a) घूमने -फिरने में
(b) मौज-मस्ती में
(c) समाज-सेवा करने में
(d) कोर्ट-कचहरी, आफिस, थाने आदि के चक्कर में

▼ Answer

Answer: (d) कोर्ट-कचहरी, आफिस, थाने आदि के चक्कर में।

---

(2)

छोड़ो भी, ऐसा तो जीवन में होता है,
जो कभी मिलता है, वह कभी छिनता है।
लेकिन इससे डरकर
संध्या के सिंदूरी प्रकाश मे
मंजरित तुलसी के
नीचे दीया
जलाना थोड़े ही बंद किया जाता है।
भगवान वात सुनें, न सुनें,
तो भी गंदिर तो मंदिर ही है,
उसमें जो रोज शाम दीया नहीं जलाता है,
वह तो घर लौटने के अपने ही मार्ग पर
अँधेरा फैलाता है।

Question 1.
जीवन में प्रायः .... घटनाएँ होती ही रहती हैं। (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)
(a) लूटने और रूठने की
(b) आने और खाने की
(c) कुछ मिलने और छिन जाने की
(d) पहनने और ओढ़ने की

▼ Answer

Answer: (c) कुछ मिलने और छिन जाने की।

Question 2.
मंजरित तुलसी के नीचे दीया जलाने का आशय
(a) तुलसी को हरा-भरा रखना
(b) जीवन की हर परिस्थिति में आस्था बनाए रखना
(c) दीया जलाकर पूजा करना
(d) भजन करना

▼ Answer

Answer: (b) जीवन की हर परिस्थिति में आस्था बनाए रखना।

Question 3.
घर लौटने का मार्ग कैसे मार्ग को कहा गया है ?
(a) घर जाने वाले रास्ते को
(b) घर जाने वाली गली को
(c) सुख और विश्वास से पूर्ण जीवन को
(d) निराशा और हताशा को

▼ Answer

Answer: (c) सुख और विश्वास से पूर्ण जीवन को।

Question 4.
'अँधेरा फैलाता है'- का आशय है– (वाक्य पूरा करो)
(a) निराशा से भरा जीवन
(b) रात का अँधेरा
(c) कम रोशनी वाली रात
(d) अँधेरे को विस्तार देना

▼ Answer

Answer: (a) निराशा से भरा जीवन।

Question 5.
'मंजरित' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताइए।
(a) मंजरि + त
(b) मंजर + इत
(c) मंजर + इत
(d) मंजरी + इत

▼ Answer

Answer: (d) मंजरी + इत।

---

(3)

पौ फटते ही
उठ जाती हैं स्त्रियाँ
बुहारती हैं झाड़ू
और फिर पानी के
बर्तनों की खनकती

हैं आवाजें
पायल की झंकार और
चूड़ियों की खनक से
गूंज जाता है गली-मुहल्ले
का नुक्कड़
जहाँ करती हैं स्त्रियाँ
इंतजार कतारबद्ध हो
पानी के आने का।
होती हैं चिंता पति के
ऑफिस जाने की और
बच्चों के लंच बॉक्स
तैयार करने को,
देखते ही देखत
हो जाती हैं दोपहर
अब स्त्री को इंतजार
होता है बच्चों के
स्कूल से लौटने का
और फिर धीरे-धीरे
ढल जाती है शाम भी
उसके माथे की बिंदी
अब चमकने लगती है
पति के इंतजार में
और फिर होता
उसे पौ फटने का
अगला इंतजार!!

Question 1.
गली-मुहल्ले के नुक्कड़ पर स्त्रियाँ सुबह-सुबह क्यों एकत्र होती हैं ?
(a) पानी के लिए
(b) दर्तनों को खनकाने के लिए
(c) एक-दूसरे का हालचाल पूछने के लिए
(d) दूधवाले का इन्तजार करने के लिए

▼ Answer

Answer: (a) पानी के लिए।

Question 2.
सुबह-सुबह इन स्त्रियों को किस बात की चिन्ता होती है? (सही विकल्प पर निशान लगाइए)
(a) खाना बनाने की
(b) कपड़े धोने की
(c) पति के ऑफिस जाने और बच्चों के लंच बाक्स तैयार करने को।
(d) आराम करने की

▼ Answer

Answer: (c) पति के ऑफिस जाने और बच्चों के लंच बाक्स तैयार करने की।

Question 3.
दोपहर को अब स्त्री को ………….. इंतज़ार होता है। (वाक्य पूरा कीजिए)
(a) सब्जी बेचने वाले का

(b) बच्चों के स्कूल से लौटने का
(c) फेरी वाले का
(d) कपड़ों पर प्रेस करने वाले का

▼ Answer

Answer: (b) बच्चों के स्कूल से लौटने का।

Question 4.
शाम ढल जाने पर भी उसके माथे की बिंदी क्यों चमकने लगती है ?
(a) अँधेरा दूर करने के लिए
(b) क्योंकि वह चमकदार बिन्दी लगाती है
(c) पति के इन्तजार की खुशी में
(d) थकान के कारण

▼ Answer

Answer: (c) पति के इन्तजार की खुशी में।

Question 5.
स्त्रियाँ सुबह होते ही उठकर क्या करती हैं ?
(a) भजन गाने लगती हैं।
(b) घूमने चल देती हैं।
(c) नुक्कड़ पर एकत्र हो जाती हैं।
(d) आँगन की सफाई करती हैं।

▼ Answer

Answer: (d) आँगन की सफाई करती हैं।

---

(4)

मैं पानी हूँ मैं जीवन हूँ
मुझसे सबका नाता।
मैं गंगा हूँ, मैं यमुना हूँ
तीरथ भी बन जाता।
मैं हूँ निर्मल पर दोष सभी,
औरों के हर लेता।
कल तक दोष तुम्हारे थे जो,
अपने में भर लेता।
पर सोचो तो मैं यों कब तक,
कचरा भरता जाऊँ!
मुझको जीवन भी कहते हैं,
मैं कैसे मरता जाऊँ!
गन्दा लहू बहा अपने में
कब तक चल पाता तन।
मैं धरती की सुन्दरता हूँ,
हर प्राणी की धड़कन।
मेरी निर्मलता से होगी,
धरती पर हरियाली।
फसलों में यौवन महकेगा,

हर आँगन दीवाली।
नदियाँ, झरने, ताल-तलैया,
कुआँ हो या कि सागर।
रूप सभी ये मेरे ही हैं,
एक बूँद या गागर।
हर पौधे की हर पत्ती की
प्यास बुझाऊँ जीभर।
पर जीना दूभर होगा ये,
दूषित हो जाने पर।

Question 1.
'तीरथ' का तत्सम रूप लिखिए
(a) तीर
(b) तीरथंकर
(c) तीर्थ
(d) उत्तीर्ण

▼ Answer

Answer: (c) तीर्थ।

Question 2.
पानी की निर्मलता किसके कारण नष्ट हुई ?
(a) हमारे दोष अपने में भरने के कारण
(b) लगातार बहने के कारण
(c) पत्ते भरने के कारण
(d) प्रकृति के कारण

▼ Answer

Answer: (a) हमारे दोष अपने में भरने के कारण।

Question 3.
पानी को धरती की सुन्दरता कहा गया है, क्योंकि ....। (वाक्य पूरा करो।)
(a) बहता पानी सुन्दर लगता है।
(b) झरने लगातार बहते हैं।
(c) हरियाली और फसलों से पूरी धरती सुन्दर बनती है।
(d) सागर के पानी में लहरें उठती हैं।

▼ Answer

Answer: (c) हरियाली और फसलों से पूरी धरती सुन्दर बनती है।

Question 4.
पानी के दूषित हो जाने पर क्या स्थिति होगी ?
(a) पानी साफ करने का अवसर आएगा।
(b) आदमी का इस धरती पर जीना कठिन हो जाएगा।
(c) पानी उबालना पड़ेगा।
(d) कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

▼ Answer

Answer: (b) आदमी का इस धरती पर जीना कठिन हो जाएगा।

Question 5.
इस कविता से ढूँढ़कर 'पानी' का पर्यायवाची लिखिए।
(a) निर्मल
(b) बूंद
(c) जीवन
(d) सागर

▼ Answer

Answer: (c) जीवन।

---

(5)

उठो धरा के अमर सपूतो
पुनः नया निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से
नई स्फूर्ति, नव प्राण भरो।

नया प्रात है, नई बात है,
नई किरण है, ज्योति नई।
नई उमंगें, नई तरंगें,
नई आस है, साँस नई।
युग-युग के मुरझे सुमनों में,
नई-नई मुसकान भरो।

डाल-डाल पर बैठ विहग कुछ
नए स्वरों में गाते हैं।
गुन-गुन, गुन-गुन करते भौरे
मस्त हुए मँडराते हैं।
नवयुग की नूतन वीणा में
नया राग, नवगान भरो।

Question 1.
कवि ने धरा के अमर सपूतों को क्या करने के लिए कहा है ?
(a) नया निर्माण करने के लिए
(b) जीवन में नई स्फूर्ति भरने के लिए
(c) जीवन में नए प्राण भरने के लिए
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी।

Question 2.
कवि युगों-युगों के मुरझाए सुमनों में भरने के लिए कहता है। (सही शब्द से वाक्य पूरा कीजिए।)
(a) शक्ति
(b) मुस्कान
(c) नफ़रत
(d) ईर्ष्या

▼ Answer

Answer: (b) मुस्कान।

Question 3.
इनमें से क्या-क्या नया है ? (छाँटकर लिखिए)
(a) प्रातः, बात
(b) किरण, ज्योति
(c) उमंगें, तरंगें
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी।

Question 4.
कवि किसमें नया राग और नयागान भरने के लिए कहता है ?
(a) नवयुग में
(b) नवयुग की नूतन वीणा में
(c) सागर में
(d) नूतन वीणा में

▼ Answer

Answer: (d) नूतन वीणा में।

Question 5.
'मुरझे सुमनों' का वास्तविक अर्थ क्या होगा ?
(a) मुरझाए हुए सुमन
(b) मुरझाए हुए फूल
(c) निराशा से भरे हुए सुन्दर मन
(d) मुरझाए हुए सुन्दर मन

▼ Answer

Answer: (c) निराशा से भरे हुए सुन्दर मन।

---

(6)

रंग-रंग के रूप हमारे
अलग-अलग है क्यारी-क्यारी
लेकिन हम सबसे मिलकर ही
इस उपवन की शोभा सारी
एक हमारा माली हम सब
रहते नीचे एक गगन के
हम सब सुमन एक उपवन के।।

सूरज एक हमारा, जिसकी
किरणें उसकी कली खिलातीं,
एक हमारा चाँद चाँदनी
जिसकी हम सबको नहलाती।

मिले एकसे स्वर हमको हैं,
भ्रमरों के मीठे गुंजन के
हम सब सुमन एक उपवन के।।

काँटों में मिलकर हम सबने
हँस-हँस कर है जीना सीखा,
एक सूत्र में बँधकर हमने
हार गले का बनना सीखा।
सबके लिए सुगन्ध हमारी
हम शृंगार धनी निर्धन के
हम सब सुमन एक उपवन के।

Question 1.
उपवन की शोभा किस बात में है ? (सही उत्तर छाँटकर लिखिए)
(a) एक जैसा रंग-रूप होने में
(b) अलग-अलग रंग-रूप और अलग-अलग क्यारियाँ होने में
(c) कोई भी विशेषता न होने में
(d) एक जैसी क्यारियाँ होने में

▼ Answer

Answer: (b) अलग-अलग रंग-रूप और अलग-अलग क्यारियाँ होने में।

Question 2.
'मिले एकसे स्वर हमको हैं'-का भाव है-
(a) सब एक जैसी बात बोलते हैं
(b) सबके विचारों में एकता है
(c) सब एक जैसी उल्टी-सीधी बात बोलते हैं
(d) सब जो चाहे बोल देते हैं

▼ Answer

Answer: (b) सबके विचारों में एकता है।

Question3.
'काँटों में मिलकर हँस-हँस कर है जीना सीखा' -में काँटे किसे कहा गया है ?
(a) पूलों के पास उगे काँटे
(b) खेतों के रास्तों में उगे काँटे
(c) जीवन के मार्ग में आने वाली बाधाएँ
(d) पाँव में चुभे हुए काँटे

▼ Answer

Answer: (c) जीवन के मार्ग में आने वाली बाधाएँ।

Question 4.
'एक सूत्र में बँधकर हमने हार गले का बनना 'सीखा' का भाव है
(a) एक धागे में बाँधकर हार बनाना
(b) एकता का पालन करके प्रेम से रहना
(c) गते का हार बनाना
(d) एकता का जीवन

▼ Answer

Answer: (b) एकता का पालन करके प्रेम से रहना।

Question 5.
'हम सब सुमन एक उपवन के'-कवि ने किसे कहा है ?
(a) एक बगीचे के फूलों को
(b) एक बस्ती में रहने वालों को
(c) एक देश में प्रेमपूर्वक रहने वालों को
(d) भेदभाव फैलाने वालों को

▼ Answer

Answer: (c) एक देश में प्रेमपूर्वक रहने वालों को।

---

(7)

हम जियें या न जियें
जो लोग कल को जाएँगे
हम उनको क्या दे जाएँगे
ये बात दिल में है अगर-

ऐ दोस्त कुछ तो कर गुजर...ऐ दोस्त कुछ तो कर गुजर
ढल रहा है दिन तो क्या
ये रात भी ढलेगी कल
तू आज इस अँधेरी रात में मशाल बन के जल
तू चल किसी भी रास्ते
नई सुबह के वास्ते
खुद ही बना के रास्ता तू ही दिखा नई डगर...
तू देख पंछियों की तरह उड़ के सारा आसमान
देख हर दरख्त पर से घोंसलों के दरमियान
देख हर दरख्त को
ताज और तन को
तू देख चिमनियों के बीच में धुआँ-धुआँ शहर...
गुजर गया जो कल तू उस पे इस तरह न हाथ मल
दिल के हर गुबार को न दिल में इस तरह कुचल

Question 1.
'जो लोग कल को आएँगे'-ये कल को आने वाले लोग कौन हैं?
(a) जिन्हें कल बुलाया जाएगा
(b) जो कल अतिथि के रूप में आएँगे
(c) हमारे बाद में आने वाली पीढ़ी
(d) हर तरह के लोग

▼ Answer

Answer: (c) हमारे बाद में आने वाली पीढ़ी।

Question 2.
अँधेरी रात में मशाल बन कर जलने का क्या अर्थ
(a) उजाला करना

(b) रोशनी न होने पर मशाल जलाना
(c) रात का अँधेरा दूर करना
(d) निराशा और पराजय के क्षणों में उत्साह जगाना

▼ Answer

Answer: (d) निराशा और पराजय के क्षणों में उत्साह जगाना।

Question 3.
पंछियों की तरह उड़ कर सारा आसमान देखने का भाव है
(a) जीवन की विविधता और व्यापकता को जानना
(b) आसमान का विस्तार जानना
(c) पक्षियों के घोंसले देखना
(d) पक्षियों की तरह उड़ना सीखना

▼ Answer

Answer: (a) जीवन की विविधता और व्यापकता को जानना।

Question 4.
'ताज और तख्त' किसे कहा गया है ?
(a) सिंहासन को
(b) जिस तख्त पर आराम से लेटा जाता है
(c) सत्ताधारी वर्ग
(d) मुकुट को

▼ Answer

Answer: (c) सत्ताधारी वर्ग।

Question 5.
'हाथ मलना'-मुहावरे का अर्थ है-
(a) परेशान होना
(b) चूक होने पर पछताना
(c) हाथों की मैल उतारना
(d) हाथों को मजबूत करना

▼ Answer

Answer: (b) चूक होने पर पछताना।